

track is suitable or not? Then, what about the speed of the Pink City Express and Jodhpur Mail? Secondly in the Saurashtra region one of the reasons for the delay or slow speed is that too many carriages, as many as 17, are added for distant places like Okha and Porbandar. Why should he combine the trains in this manner?

PROF. MADHU DANDAVATE: The hon. Member has not only transgressed the question but he has also transgressed geography. This question is specifically about the Saurashtra region. When a notice is given about the Ahmedabad Mail, I will answer that question.

PROF. R. K. AMIN: In that case, why did the Minister refer to Jaipur and Jodhpur?

PROF. MADHU DANDAVATE: My reply was not irrelevant, because Professor Mavalankar had specifically asked a question, if the Saurashtra region could not get the diesel engines, which are the trains to which diesel engine is given.

श्री मोती बाई अर० चौधरी : माननीय मंत्री जी को पता है कि मेहसाना से मोखा तक की जो रेल पटरी है उस पर डीजल इंजन से मालगाड़ियां चल रही हैं तो इसी ट्रैक पर पैसेंजर गाड़ी डीजल इंजन से चलाने में क्या कठिनाई है ?

श्री मधु दंडावते : माननीय सदस्य ने सवाल अच्छा पूछा है। अगर वह चाहते हैं कि मुद्दस ट्रेन की रफ्तार से पैसेंजर ट्रेन चले तो फिर हम डीजल इंजन लगाने के लिए तैयार हैं।

Pending applications for Gas Connections in Delhi

+

*290. **SHRI DURGA CHAND:**
SHRI KACHARULAL
HEMRAJ JAIN:

Will the Minister of **PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS** be pleased to state:

(a) the number of applications pending for issue of gas connections in Delhi since January, 1977;

(b) the number of cooking gas connections released in Delhi since April, 1977 and the number of gas connections, released by him as special cases in Delhi;

(c) whether Government propose to grant the gas connections to consumers who pay the cost in foreign currency; and

(d) if so, by when this proposal is likely to be finalised, and if not, what is the reason thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA):

(a) to (d). A statement giving the requisite information is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) The number of persons on the waiting list as on the 30th November, 1977 for grant of cooking gas connections in Delhi was about 1,30,000.

(b) The total number of new gas connections released in Delhi between April and November 1977 was about 3000. Out of this, 496 gas connections were released by the Indian Oil Corporation on priority against authorisations given by the Ministry of Petroleum.

(c) No, Sir.

(d) It is not possible to allot gas connections against payment in foreign exchange *inter alia* for the following reasons:—

(i) The demand for LPG is far in excess of the availability of the product at present. No substantial increase in the availability of the product is foreseen for a number of months.

(ii) The amount required for securing a gas connection is only about Rs. 250/-, which in terms of foreign exchange, will be negligible.

(iii) After providing initial LPG connection, the oil companies have to supply refills of cylinders which is a recurring liability.

श्री दुर्गा चंड : माननीय मंत्री जी ने जो स्टेटमेंट रखा है उस में यह कहा है कि इस

वक्त कुकिंग गैस कनेक्शन की जो एप्लीकेशंस लोगों की पड़ी हैं यह 1 लाख 30 हजार हैं। उस में अप्रैल से नवम्बर 1977 के बीच 3 हजार गैस कनेक्शंस रिलीज किए गए हैं और उस में

496 gas connections were released by the Indian Oil Corporation on priority against authorisations given by the Ministry of Petroleum.

इस से साफ जाहिर होता है कि डिमांड और सप्लाई में बहुत अंतर है। तो सरकार इस संबंध में कौन से कान्क्रीट स्टेप्स उठा रही है जिस से लोगों की डिमांड जल्दी से जल्दी पूरी की जाय।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : जब तक बाम्बे हाई का गैस किनारे नहीं आयेगा तब तक पूरे तीर से इस डिमांड को पूरा करना तो मुश्किल है। लेकिन फिलहाल एल पी जी को बढ़ा कर और अलग अलग जो हमारे प्लान्ट हैं, रिफाइनरीज हैं जहां एल पी जी बनती है उन की कार्य क्षमता को बढ़ा कर कुछ कोशिश कर रहे हैं। मगर जाहिर है कि 1 लाख 30 हजार को एक साल में तो नहीं पूरा किया जा सकता। यह तो कई सालों का सवाल है जो इस अभितक संबंध में हमारे पास मौजूद है।

जो नये कनेक्शन दिए गए हैं उस में नये पालियामेंट के सदस्य आए हैं जो पहले नहीं थे उन के भी नाम शामिल हैं और हमारे जो अधिकारी ट्रांसफर हो कर यहां आए हैं उन का भी नाम इस में सम्मिलित है जो 400 के करीब नये कनेक्शन आउट आफ टर्न दिए गए हैं। कुल 3 हजार कनेक्शन हम रिलीज कर चुके हैं। बम्बई कलकत्ता और अन्य शहरों की भी मांग इसी तरह की है। किसी भी शहर की मांग को हम पूरा नहीं कर पा रहे हैं। परन्तु चेष्टा यह है कि जब बाम्बे हाई का गैस किनारे आ जायगा तब 45 लाख परिवारों को शायद हम गैस कनेक्शन दे

सकेंगे। उस वक्त हम इस स्थिति में हो सकेंगे कि मेट्रोपोलिटन टाउन्स की मांग को पूरा कर सकें।

श्री दुर्गा चंद : माननीय मंत्री जी ने कहा कि एल पी जी की कमी की वजह से हम लोगों की डिमांड पूरी नहीं कर सकते और दूसरे सिलिंडर्स की भी कमी है तो मैं उन से यह जानना चाहूंगा कि क्या जब तक हमारे देश में एल पी जी की पैदावार अधिक नहीं हो सकती तब तक आप दूसरे देशों से इम्पोर्ट नहीं कर सकते जैसे डीजल और दूसरे आयल आप इम्पोर्ट करते हैं? इस जरूरत को पूरा करने के लिए क्या आप इस को इम्पोर्ट करेंगे?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : मैंने कभी नहीं कहा कि सिलिंडर की कमी है। मैंने सिर्फ यह कहा था कि एल पी जी की कमी है।

जहां तक दूसरा प्रश्न है वह सजेप्शन फार ऐक्शन है।

श्री कंवरलाल गुप्त : माननीय मंत्री जी इस बात को स्वीकार करेंगे कि गैस कनेक्शन लम्बरी या कम्पर्ट की आइटम नहीं है बल्कि यह आज नेसेसिटी है और सालों लग जाते हैं दिल्ली में एक गैस कनेक्शन लेने के लिए—(शब्दबन्ध)—एक बहन कह रही हैं कि बम्बई में भी ऐसा ही है। स्वाभाविक है कि बड़े बड़े शहरों में ऐसी ही स्थिति है। तो अगले तीन सालों में दिल्ली में आप कितने गैस कनेक्शन और दे देंगे? यह मेरे सवाल का एक हिस्सा है।

दूसरे, मैं माननीय मंत्री जी को यह बताना चाहता हूँ कि दिल्ली में गैस कनेक्शन की सर्विसज बहुत अनसैटिस्फेक्ट्री है। एक छोटा सा पेच लगाने के लिए भी इतना पैसा चार्ज करते हैं जो आश्चर्यजनक है। तो उस

संबंध में जो शिकायतें आप के पास आई हैं वह क्या हैं और उन पर आप क्या कार्यवाही कर रहे हैं ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : जो प्रश्न माननीय कंवर लाल जी ने किया है उन के प्रश्न में जो चिन्ता निहित है उस से मैं पूर्ण रूप से सहमत व्यक्त करता हूँ । जहाँ तक आने वाले तीन सालों की बात है फिलहाल तो यही निवेदन मैं कर सकता हूँ कि जहाँ एल पी जी बनती है वहाँ हम ज्यादा एल पी जी बनाने की व्यवस्था कर रहे हैं । जब ज्यादा बनेगी तो उसी के हिसाब से कुछ न कुछ यहाँ दिल्ली में भी आएगी ।

श्री कंवर लाल गुप्त : कितनी आएगी ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : वह कहना अभी मुश्किल है ।

श्री कंवर लाल गुप्त : अन्दाज़न बताइए ।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : अन्दाज़न कहना और फिर फंसना बहुत मुश्किल काम है । कंवर लाल जी को मैं इतना कहना चाहता हूँ कि उन के चुनाव क्षेत्र दिल्ली के वारे में जो हमारे राष्ट्र का कैपिटल है हमें बराबर चिन्ता है और मैं उन की चिन्ता समझ सकता हूँ ।

एक बात जो उन्होंने कही वह सही है कि हमारे जो गैस के सप्लायर्स है उनकी सेवा के सम्बन्ध में शिकायतें हैं । इस पर हम पुनर्विचार कर रहे हैं । बहुत बड़े-बड़े लोगों के पास बड़ी बड़ी तादाद में कनेक्शन्स दे दिए गए हैं । हम इस नीति पर विचार कर रहे हैं कि इसको कैसे ठीक किया जाये ताकि यह काम उनकी कार्यक्षमता में हो और वे उचित देख-रेख कर सकें वरना बड़े आदमी कुछ देखते नहीं है । तो हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इसको कैसे ठीक किया जाये ।

SHRI R. K. MHALGI: May I know when the Bombay Gas would be available?

SHRI H. N. BAHUGUNA: By the middle of 1979, it should be practicable to bring out gas in the market.

श्रीमती चन्द्रावती : मन्त्री जी बताने की कृपा करेंगे कि उन्होंने कोई ऐसा प्लान बनाया है कि एक साल में या दो साल में कितने परिवारों को कनेक्शन दे सकेंगे ताकि कंज्यूमर्स को इस बात का ज्ञान हो सके कि 6 महीने में, एक साल में या दो साल में उनकी बारी आ जायेगी ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : कितनी गैस हमारे देश में उपलब्ध है, कितनी बंट रही है इसके सम्बन्ध में मैं इतना ही कह सकता हूँ कि उपलब्ध को हम बढ़ाने की चेष्टा कर रहे हैं और मेरा ऐसा विश्वास है कि 10-15 फीसदी उपलब्धि बढ़ सकती है । हमारा निश्चय यह है कि आने वाले वर्षों में, जो आज उपलब्धि है उसमें 10-15 फीसदी उपलब्धि बढ़ेगी ज्यादा से ज्यादा 15 फीसदी और कम से कम 10 फीसदी । (व्यवधान)

SHRIMATI CHANDRAVATI: Sir, I want a categorical and definite reply from the Minister.

SHRI H. N. BAHUGUNA: I quite agree with the anxiety of hon. Smt. Chandravati but I can assure her that I can only make a wish at this stage. My difficulty is with regard to the availability of LPG. We will be able to increase the supply by 10 to 15 per cent on the existing equipment depending upon our crude availability and other things. So far as future is concerned, the future is lined with Bombay High when 4.5 million families will be added on the gas supply. It will begin by mid 1979 onwards.

As for Bombay and other parts of the country like hill areas where trees have been felled and lot of harm has been done, we have to see

श्री उग्रसेन : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में अभी बताया है कि दिल्ली में 1 लाख 30 हजार दरखास्तें पड़ी हुई है जिनमें अभी तक गैस नहीं दी गई है तो मैं जानना चाहता हूँ कि गैस देने के आधार क्या हैं ? प्रायर्टी के लिए है, तन-ख़ाह के लिए हैं, आमदनी पर है या फ़र्स्ट कम फ़र्स्ट सर्वर्ड के आधार पर है ? किस आधार पर दिल्ली में कनेक्शन दिया जाता है ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : फ़र्स्ट कम फ़र्स्ट सर्वर्ड का आधार है ।

श्री जो० नरसिंहा रेड्डी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अभी घोषणा की कि एजेन्सी देने के बारे में हरिजनों और आदिवासियों को भी प्रोत्साहन दिया जायगा । मैं जानना चाहता हूँ—क्या गैस की कनेक्शन देने के लिये हरिजनों और आदिवासियों के लिये कोई रिजर्वेशन किया जायगा ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : मैं माननीय सदस्य की इस बात से सहमत हूँ कि हो सके तो हरिजनों, आदिवासियों और गरीब लोगों को देना चाहिये । मैं उन को यह एशोरेंस दे सकता हूँ कि प्रायोरिटीज दी गई है, उन में कई हरिजन और आदिवासियों भी है, लेकिन उन के लिये कोई रिजर्वेशन रखना सम्भव नहीं है । अभी तक किसी भी जगह—मिट्टी का तेल, चीनी, आदि—में कोई प्रायोरिटी उन के लिये नहीं बनाई है, इस में भी अभी कोई प्रायोरिटी नहीं बनी है ।

श्री लखन लाल कन्नूर : माननीय मंत्री जी ने अभी बताया कि गैस की कमी के कारण हम गैस सप्लाई नहीं कर सकते हैं । क्या मंत्री महोदय को पता है कि जब आप की पेट्रोलियम फेक्ट्रीज है, जैसे बरोनी, गौहाटी, डिगबोई—इन जगहों पर गैस को जला दिया जाता है, वहाँ पर लगातार गैस जलती रहती है और बाकी से जल रही है । इस गैस को

बचा कर लोगों का देने का प्रयास क्यों नहीं किया जाता है ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : यद्यपि मूल प्रश्न से इस प्रश्न का सीधा सम्बन्ध नहीं है, फिर भी मैं निवेदन करूँ कि जो गैस जलती है, वह इस प्रकार से है जैसे रोटी पकाने के लिये हमें आग जलानी पड़ती है, खाना पकाने के लिये गैस जलानी पड़ती है । पेट्रोलियम रिफ़ाइनरी में भी हमें थोड़ी गैस बाहर निकाल कर जलानी पड़ती है । संसार में कोई रिफ़ाइनरी ऐसी नहीं है जहाँ सौ-फीसदी गैस को एल० पी० जी० में बदल दिया जाता है, कुछ न कुछ गैस जरूर जलानी पड़ती है । डिगबोई या दूमरी जगहों पर जो गैस निकलती है, उस में से जितना हम ले सकते हैं, उतना ले रहे हैं, नामरूप का फ़ाटिलाइजर प्लांट हम उसी के आधार पर लगा रहे हैं । बरोनी में जो गैस जल रही है, उस को कम नहीं किया जा सकता है, जितनी मिनीमम नैसिसिटी है, उतनी ही जल रही है, उस से ज्यादा नहीं जल रही है ।

Cancellation of Permission Letters and No Objection Letters

*295. SHRI MOTIBHAI R. CHAUDHARY: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Hathi Committee has stated that Permission Letters and No Objection letters do not have any legal backing in terms of the provision of I (D&R) Act:

(b) if so, why no action has so far been taken to cancel these letters: and

(c) whether foreign companies have resorted to production of items covered under these letters, violating the conditions subject to which these letters were granted and if so, what action Government have taken/proposed to take to prevent such violations?